मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT–044

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.टी.टी.-044 : अनुवाद प्रक्रिया और प्रविधि : सिंधी-हिंदी-सिंधी का संदर्भ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. अनुवाद-प्रक्रिया से आप क्या समझाते हैं ? अनुवाद-प्रक्रिया में अनुवादक की भूमिका का सोदाहरण वर्णन कीजिए। 20
2. अनुवाद मूल्यांकन क्या है ? अनुवाद मूल्यांकन की विभिन्न पद्धतियों का विवेचन कीजिए। 20
3. 'अनुवादक से अपेक्षाएँ' पर प्रकाश डालिए। 20
4. रूपांतरण का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रस्तुति के संदर्भ में रूपांतरण के प्रकारों की चर्चा कीजिए। 20

5. लिप्यंतरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए और अनुवाद-प्रक्रिया में इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालिए। 20

6. डबिंग क्या है ? डबिंग अनुवादक के समक्ष उभरकर सामने आने वाली चुनौतियों की चर्चा कीजिए। 20

7. पारिभाषिक शब्दावली के अभिलक्षणों का सोदाहरण वर्णन कीजिए। 20

8. कोश निर्माण की आवश्यकता का उल्लेख करते समय सिंधी कोश निर्माण प्रक्रिया पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 10 = 20$

(क) शब्दानुवाद में भ्रामक मित्रों से बचना

(ख) मशीनी अनुवाद प्रक्रिया के चरण

(ग) सामान्य और पारिभाषिक शब्दों में अंतर

(घ) स्वातंत्र्योत्तर काल में निर्मित किन्हीं **दो** सिंधी शब्दकोशों का परिचय

× × × × ×